

सार्वजनिक स्थलों पर सीसीटीवी और आवासों में ईको फ्रेंडली भवन निर्माण सामग्री के उपयोग को करें प्रोत्साहित: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

नवप्रदेश/भोपाल।
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) पर जिला मुख्यालयों पर होने वाले कार्यक्रमों में जिलों के प्रभारी मंत्री, जिलों में हुए विकास कार्यों और कल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों से जुड़ी विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करेंगे।
समारोह स्थल पर विकास कार्यों और योजनाओं को जनसामन्य के सामने रखने के लिए प्रदर्शनियां भी लगाई जाएंगी, यह प्रेजेंटेशन एक तरह से विकास कार्यों के सोशल ऑडिट जैसा होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिला विकास समितियों का राजधानी भोपाल में सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। जिला विकास समितियां विकास



गतिविधियों के लिए शासकीय नियोजन में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। निजी निवेश को भी प्रोत्साहित करने के लिए जिला विकास समितियां प्रयास करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि

विश्राम घाट पर ही मृत्यु पंजीयन की हो व्यवस्था
मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र में सभी विभागों की गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जाए। योजना अंतर्गत कराए गए कार्यों के संधारण की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि योजना में श्रेष्ठ कार्य तथा नवाचार करने वालों को प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश जन्म और मृत्यु पंजीकरण की व्यवस्था की समीक्षा के दौरान मृत्यु पंजीयन के लिए विश्राम घाट पर ही पंजीयन की प्रक्रिया शुरू करने की व्यवस्था के लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए।

जिलों के विकास सूचकांक स्थानीय परिस्थितियों पर ही आधारित
मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिलों के विकास सूचकांक स्थानीय परिस्थितियों और आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर अलग-अलग निर्धारित किया जाए। औद्योगिक पृष्ठ भूमि, कृषि आधारित व्यवस्था, वन क्षेत्र संपन्न जिलों के लिए विकास के सूचकांक अलग-अलग हों। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने, ग्रामीण क्षेत्र में स्वयं का मकान बनाने वालों को तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराने और उपयुक्त भवन निर्माण सामग्री के संबंध में जागरूक करने के लिए भी जरूरी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक एक लाख 37 हजार से अधिक छात्र लाभान्वित हो चुके हैं। जल गंगा सर्वधन अभियान में प्रसफुटन और नवाकूर समितियों ने कुएँ, बावड़ी, तालाब, नदी घाट सफाई, जल संगोष्ठी और बावड़ी उत्सव जैसे आयोजनों में सक्रिय सहभागिता की।

आज बेबाक

पाकिस्तान को तत्काल प्रभाव से अपना नाम बदलकर पगलिस्तान कर लेना चाहिए। वहां के पगलेट रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने गीदड़ भभकी दी है कि यदि भारत ने सिंधु जल विवाद पर अपना रुख नहीं बदला तो पाकिस्तान भारत के साथ जंग करेगा। अरे पगलू ये क्यों भूल रहा है कि भारत रित्ते में तेरा बाप लगता है। बाप से जंग लड़ना बड़जान बेटे के बूते की बात नहीं है। ठंड रख दे। जंग की बात छोड़ भारत ने आपरेशन सिंदूर पार्ट 2 ही शुरू कर दिया तो तेरा पाजामा गीला और पीला हो जाएगा। तेरी भावी पीढ़ी पढ़ेगी - एक था पाकिस्तान।

आईएसआई से जुड़ा शख्स छत्तीसगढ़ में पकड़ाया

जांजगीर-चांपा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। यह गिरफ्तारी 21 जून को अकलतरा थाना क्षेत्र में किरायेदार सत्यापन अभियान के दौरान हुई।

राज्य के 12 तहसीलदार बने डिप्टी कलेक्टर, आदेश जारी

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ प्रशासनिक सेवा में एक बड़ा फेरबदल करते हुए राजस्व विभाग के 12 अनुभवी तहसीलदारों को पदोन्नत कर डिप्टी कलेक्टर के पद पर नियुक्त किया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग (मंत्रालय) द्वारा सोमवार को विधिवत आदेश जारी कर दिया गया है। भवानी शंकर साव बिलासपुर, मुकेश कुमार बजाज धमतरी, सालिक कुमार बजाज धमतरी, कृष्ण कुमार साहू बेमेतरा, रिचा सिंह जांजगीर-चांपा, कु. शिल्पा भगत रायगढ़, राकेश कुमार वर्मा रायगढ़, प्रेमलाल साहू दुर्ग, प्रकाश सोनी दुर्ग, आशुतोष शर्मा कबीरधाम, अभिषेक राठौर कोरबा, मीना साहू रायपुर की जिम्मेदारी सौंपी है। शासन ने सभी संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने पुराने प्रभार सौंपकर नए जिलों में कार्यभार संभालने के निर्देश दिए हैं।

नीट और राज्यसभा चुनाव पर सरकार को घेरेगी कांग्रेस पांच दिवसीय मानसून सत्र होगा हंगामेदार, यूसीसी विधेयक पास कराने की तैयारी में सरकार

नवप्रदेश/भोपाल।

मप्र विधानसभा का पांच दिवसीय मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। सत्र के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने अपने-अपने राजनीतिक एजेंडे तय कर लिए हैं। कांग्रेस जहां नीट परीक्षा विवाद, राज्यसभा चुनाव में कथित गड़बड़ी, बेरोजगारी और किसानों के मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी कर रही है, वहीं राज्य सरकार का मुख्य फोकस समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक और अनुपूरक बजट को पारित कराने पर रहेगा।

ये इस बात के संकेत हैं कि इस बार मानसून सत्र काफी हंगामेदार होगा। जानकारों का मानना है कि इस बार सदन में सबसे ज्यादा चर्चा यूसीसी और नीट परीक्षा को लेकर हो सकती है। हालांकि कांग्रेस यूसीसी का तीखा विरोध करने से बच सकती है और अपने हमलों का केंद्र युवाओं तथा रोजगार से जुड़े मुद्दों को बनाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहले ही संकेत दे चुके हैं कि मानसून सत्र में समान नागरिक संहिता विधेयक पेश किया जाएगा।



सत्र में टकराव के आसार: मानसून सत्र भले ही केवल पांच दिन का हो, लेकिन नीट परीक्षा, राज्यसभा चुनाव विवाद, बेरोजगारी और यूसीसी जैसे मुद्दों के कारण सदन में तीखी बहस और राजनीतिक टकराव देखने को मिल सकता है। सरकार जहां यूसीसी को ऐतिहासिक सुधार के रूप में पेश करेगी, वहीं कांग्रेस जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश करेगी।

कांग्रेस का फोकस नीट और बेरोजगारी

कांग्रेस ने सत्र के लिए जिन मुद्दों को प्रमुखता से चुना है, उनमें नीट परीक्षा में कथित अनियमितताएं, राज्यसभा चुनाव में नामांकन निरस्त होने का विवाद, युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी और किसानों की समस्याएं शामिल हैं। पार्टी रणनीतिक रूप से

यूसीसी का प्रारूप तैयार, जनता से मांगे जा रहे सुझाव

समान नागरिक संहिता के लिए गठित समिति, जिसकी अध्यक्षता सर्वोच्च न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई कर रही हैं, प्रारंभिक मसौदा तैयार कर चुकी है। अब ऑनलाइन माध्यम से आम जनता से सुझाव और राय ली जा रही है। प्रस्तावित कानून में विवाह, तलाक, भरण-पोषण, उत्तराधिकार, संपत्ति अधिकार और लिव-इन संबंधों से जुड़े प्रावधानों को एक समान कानूनी ढांचे में लाने की तैयारी है। जनजातीय समुदाय को प्रस्तावित दृष्टः यूसीसी के मसौदे में अनुसूचित जनजातीय समुदाय को विशेष हट्ट देने का प्रस्ताव शामिल किया गया है। इसके तहत जनजातीय समाज अपनी परंपरिक संस्कृति, रीति-रिवाजों और सामाजिक व्यवस्थाओं के अनुसार संचालित होता रहेगा और यूसीसी की परिधि से बाहर रहेगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यही प्रावधान कांग्रेस के लिए चुनौती बन सकता है।

रायपुर-दुर्ग समेत कई जिलों के 30 आबकारी अधिकारी बदले

छत्तीसगढ़ आबकारी विभाग में बड़ा फेरबदल

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्यिक कर (आबकारी) विभाग ने प्रशासनिक व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए विभागीय स्तर पर बड़ा फेरबदल किया है। मंत्रालय से जारी आदेश के तहत तत्काल प्रभाव से 30 अधिकारियों और कर्मचारियों का तबादला कर दिया गया है। सभी को प्रशासनिक आधार पर आगामी आदेश तक अस्थायी रूप से नई जिम्मेदारी सौंपी गई है और उन्हें तत्काल 'एकपक्षीय भारमुक्त' कर दिया गया है।

इन प्रमुख अधिकारियों को मिली नई कमान

- प्रवीण वर्मा: सहायक आयुक्त आबकारी प्रभारी उपायुक्त आबकारी, रायपुर
- राजेश कुमार शर्मा: जिला आबकारी अधिकारी (रायपुर) सहायक आयुक्त आबकारी, राजनांदगांव।
- राकेश गुप्ता: बस्तर सभागोष्ठ उडनदस्ता जिला आबकारी अधिकारी, सक्की (स्वतंत्र प्रभार)।
- नितिन कुमार शुक्ला: सक्की जिला आबकारी अधिकारी, मनेन्द्रगढ़-भरतपुर-विरमिरी।
- दीप महेश: स्टेट बेवरेजेस कॉर्पोरेशन सिलतरा प्रभारी राज्य स्तरीय उडनदस्ता, रायपुर।
- सीआर साहू: दुर्ग जिला आबकारी अधिकारी, खैरागढ़-गडई-छुईखुंदन

मुन्ना भाई एमबीबीएस स्टाइल में नकल पांच मेडिकल छात्र समेत 24 गिरफ्तार

नीट-यूजी री-टेस्ट में लखीसराय में बड़े नकल गिरोह का भंडाफोड़

पटना/ए। नीट-यूजी री-टेस्ट के दौरान बिहार के लखीसराय जिले में एक बड़े नकल गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस के अनुसार यह गिरोह मेडिकल प्रवेश परीक्षा में असली उम्मीदवारों की जगह प्रशिक्षित 'सॉल्वर' बैठकर परीक्षा दिलाने का काम कर रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने अब तक 24 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें मेडिकल छात्र, नर्सिंग छात्र और परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े बायोमेट्रिक कंपनी के कर्मचारी भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि यह

कार्रवाई उस समय हुई जब देशभर में लाखों छात्र नीट-यूजी री-टेस्ट में शामिल हुए थे। जांच के दौरान पुलिस को परीक्षा केंद्रों पर संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिली, जिसके बाद पूरे नेटवर्क में नजर रखी गई। शुरुआती चरण में यह सामने आया कि कुछ लोग फर्जी पहचान और अंदरूनी मदद के जरिए परीक्षा प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस जांच में मेडिकल छात्र अर्पित राज का नाम भी सामने आया है।

व्यापारियों के समर्थन में किसान नेता भी हुए शामिल

मंडी शुल्क के विरोध में प्रदेश की मंडियां, दाल मिलें बंद

शैलेश पाठक नवप्रदेश/इंदौर।
प्रदेशभर की कृषि उपज मंडियों में आधा प्रतिशत बढ़ा हुआ मंडी शुल्क के विरोध प्रदेशव्यापी आंदोलन 23 जून मंगलवार से शुरू हो रहा है। प्रदेश की सबसे बड़ी इंदौर की छवनी अनाज मंडी और लक्ष्मीबाई अनाज मंडी में मंगलवार को व्यापार बंद रहेगा। शहर की सभी दाल मिलें और प्रदेश का सबसे बड़ा थोक किराना व्यवसायी (सियागंज) भी इसमें बंद में शामिल हो रहे हैं। अनाज तिलहन व्यापारी महासंघ ने शुल्क वृद्धि के खिलाफ प्रदेश व्यापारी बंद का ऐलान किया है। सरकार से शुल्क घटाने की मांग की जा रही है।



अधिक मंडी शुल्क की वजह से प्रदेश की कई दाल मिलें बंद

मध्यप्रदेश में अन्य राज्यों की तुलना में अधिक मंडी शुल्क की वजह से प्रदेश की दाल मिलें परेशानियों से जूझ रही है। पिछले आठ सालों में मध्यप्रदेश में दाल मिल 900 से घटकर 710 रह गई। इसमें से भी करीब 40-50 दाल मिलें अन्य राज्यों में शिफ्ट हो गई है।

किसानों पर बोझ
व्यापारी संघ के पदाधिकारी मंडी शुल्क वृद्धि को अनावश्यक और मनमाना बता रहे हैं। दरअसल, प्रदेशभर की मंडियों में पहले से ही 1 प्रतिशत मंडी शुल्क के साथ 20 पैसे निराश्रित शुल्क लागू है। यह दर अन्य प्रदेशों से अधिक है। दूसरी ओर आयातित अनाज-मसाला, सब्जियों और उपज पर भी मंडी शुल्क लिया जाता है। व्यापारी संगठन इसमें कमी की मांग कर रहे थे। आल इंडिया दाल मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, सियागंज व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष रामेश खंडेलवाल, मंत्री प्रतिपाल टोंग्या के अनुसार अधिक शुल्क से प्रदेश का व्यापार प्रभावित होता है। उपज का

दाम बढ़ता है। इसका बोझ उपभोक्ताओं के साथ किसानों पर आता है। व्यापारी द्वारा दिया जाने वाला अतिरिक्त टैक्स अंततः फसलों की खरीद कोषम में समायोजित होगा, जिससे किसानों को उनकी उपज का कम भाव मिलेगा। इसका प्रभाव केवल व्यापारियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि प्रदेश के लाखों अन्नदाता इसकी मार झेलेंगे। साथ ही अधिक मंडी शुल्क भ्रष्टाचार को भी बढ़ावा देता है। ऐसे में सरकार को मंडी शुल्क कम करने का निर्णय लेना चाहिए क्योंकि यह कोई टैक्स व राजस्व का जरिया नहीं बल्कि मंडी की व्यवस्थाओं के लिए लिया जाने वाला शुल्क है।

ब्रिटिश पीएम स्टार्मर का इस्तीफा विरोध में थे 100 से ज्यादा सांसद

11 सात साल में ब्रिटेन के पांचवें प्रधानमंत्री ने पद छोड़ा

लंदन/ए। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने सोमवार को प्रधानमंत्री और लेबर पार्टी के नेता पद से इस्तीफा दे दिया है। 10 डार्निंग स्ट्रीट के बाहर राष्ट्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लेबर पार्टी को नहीं लगता कि मैं अगले चुनाव में नेतृत्व करने के लिए सही व्यक्ति हूं। स्टार्मर का इस्तीफा ऐसे समय आया है जब लेबर पार्टी के भीतर उनके नेतृत्व को लेकर लंबे समय से असंतोष बढ़ रहा था। लेबर पार्टी के

400 सांसदों में से 100 से ज्यादा सांसदों ने अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। सांसदों का कहना था कि या तो स्टार्मर तुरंत प्रधानमंत्री का पद छोड़ें या फिर यह तारीख तय करें कि वे किस दिन इस्तीफा देंगे। इनके अलावा स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रिंगिंग, रक्षा मंत्री जॉन हीली और एक अन्य मंत्री जेस फिलिप्स ने स्टार्मर के इस्तीफे की मांग को लेकर पद छोड़ दिया था।

सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान की भारत को धमकी, जंग शुरू कर देंगे

11 मंत्री आसिफ बोले-जिस पल पानी पर खतरा लगा, जंग करने में देग नहीं करेंगे

इस्लामाबाद/ए। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सिंधु जल संधि स्थगित रहने को लेकर भारत को धमकी दी है। पाकिस्तानी चैनल एअरवाय न्यूज से बातचीत में आसिफ ने कहा कि अगर पाकिस्तान को लगता है उसकी जल सुरक्षा खतरे में है, तो वह भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत, पाकिस्तान

के हिस्से के पानी के प्रवाह में दखल दे रहा है और रणनीतिक हथियार के तौर पर इसका इस्तेमाल कर रहा है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पिछले एक साल में इस मामले में क्या नए घटनाक्रम हुए हैं, इसकी उन्हें पूरी जानकारी नहीं है।

उद्धव के 6 सांसद शिंदे की शिवसेना में शामिल

11 4 साल में दूसरी दूट, शिंदे बोले- छवका लगाया, आदित्य ने पाला बदलने वालों को बिकाऊ कहा

मुंबई/ए। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना के 9 में से 6 सांसद सोमवार को एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हुए। बागी सांसदों ने उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ उनके नंदनवन बंगले पर बैठक की। इसके बाद बागी सांसदों ने शिंदे के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करके पार्टी बदलने का ऐलान किया। इस दौरान शिंदे ने कहा- जब 2022 में हमने पार्टी और धनुष-बाण बचाने के लिए विद्रोह किया था, तब 40 विधायक थे और अब छक्के लग चुके हैं। हमारी

लड़ाई बालासाहेब के विचारों को बचाने के लिए है, इसीलिए आज ये 6 सांसद बालासाहेब की असली शिवसेना में शामिल हुए। इस घटना पर उद्धव के बेटे आदित्य ठाकरे ने एक्स पर लिखा-

सीएसपीजीसीएल पर पर्यावरण मंडल ने 27.60 लाख का ठोका जुर्माना

कोरबा/नवप्रदेश। हसदेव ताप विद्युत गृह (पूर्व) के ऐश डाइक (राखड़ डैम) में फूटने से हुए गंभीर जल प्रदूषण के मामले में छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल ने कड़ी कार्रवाई करते हुए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीजीसीएल) पर 27 लाख 60 हजार रुपये की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति अधिरोपित की है। यह राशि पर्यावरण को हुए नुकसान की भरपाई के रूप में वसूल की जाएगी। पर्यावरण संरक्षण मंडल के क्षेत्रीय कार्यालय कोरबा द्वारा जारी आदेश में कहा गया है।

क्षतिपूर्ति अधिरोपित की गई
निरीक्षण के दौरान ऐश डाइक से राखयुक्त पानी के लगातार रिसाव और उसके प्राकृतिक जल स्रोतों तक पहुंचने की पुष्टि हुई थी। पर्यावरणीय नियमों के उल्लंघन और उससे हुई क्षति को देखते हुए पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति अधिरोपित की गई है।
- प्रसन्ना सोनकर, क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, कोरबा

05 आरोपियों से अवैध शराब जप्त, आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज

थाना रामनगर पुलिस की अवैध शराब कारोबारियों पर की गई कार्यवाही

नव प्रदेश इन्द्रपाल यादव
अनूपपुर/श्रीमान पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री विकांत मुराब के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी कोतमा के पर्यवेक्षण में थाना रामनगर पुलिस द्वारा क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना रामनगर पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर अवैध रूप से शराब बिक्री कर रहे 05 आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही की है।

1. रिकू ठाकुर पिता स्व. अम्बिका ठाकुर, उम्र 38 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 11, साईडिंग दफाई राजनगर के कब्जे से 08 पाव देशी प्लेन मदिरा, 06 पाव ऑफिसर च्वाइस अंग्रेजी शराब एवं 01 बोतल पावर कुल बीयर (650 एमएल) कुल 3.170 लीटर अवैध शराब, जिसकी कुल कीमत लगभग 1,920 है, जप्त की गई।
2. कन्हैया अग्रहरी पिता स्व. दीनानाथ अग्रहरी, उम्र 44 वर्ष, निवासी साईडिंग तिराहा राजनगर के कब्जे से 06 केन माउंट्स 6000 अंग्रेजी



बीयर (प्रत्येक 500 एमएल), 02 केन पावर 10000 बीयर (प्रत्येक 500 एमएल) एवं 02 पाव देशी मसाला मदिरा कुल 4.360

- लीटर शराब, जिसकी कुल कीमत लगभग 1,400 है, जप्त की गई।
3. देव प्रसाद केवट पिता जोधी लाल केवट, उम्र 41 वर्ष, निवासी एम/143, सी सेक्टर राजनगर थाना रामनगर के कब्जे से 05 केन पावर 10000 बीयर (कुल 2.500 लीटर) एवं 02 पाव मैकडॉवेल अंग्रेजी शराब (360 एमएल) कुल 2.860 लीटर शराब, जिसकी कुल कीमत 1,150 है, जप्त की गई।
4. दलपत सिंह पिता राम प्रसाद सिंह, उम्र 25 वर्ष,

- निवासी गोपाल पंडाल राजनगर थाना रामनगर के कब्जे से 06 केन पावर 10000 बीयर (कुल 3.000 लीटर) एवं 01 बोतल किंगफिशर स्ट्रॉंग बीयर (650 एमएल) कुल 3.650 लीटर शराब, जिसकी कुल कीमत 1,100 है, जप्त की गई।
5. सोमेन विश्वास पिता स्व. कुमुद रंजन विश्वास, उम्र 51 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 15 शांतिनगर थाना रामनगर के कब्जे से 02 बोतल पावर 10000 बीयर, 03 बोतल किंगफिशर स्ट्रॉंग बीयर, 02 पाव देशी मसाला मदिरा एवं

- 02 पाव गोंवा शराब कुल 3.970 लीटर शराब, जिसकी कुल कीमत 1,590 है, जप्त की गई।
- उक्त सभी आरोपियों के विरुद्ध थाना रामनगर में क्रमशः अपराध क्रमांक 176/26, 177/26, 178/26, 179/26 एवं 180/26 पंजीबद्ध कर धारा 34(ए) मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत वैधानिक कार्यवाही की गई है। थाना रामनगर पुलिस द्वारा अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्यवाही जारी रहेगी तथा क्षेत्र में कानून व्यवस्था एवं जनसुरक्षा बनाए रखने हेतु विशेष अभियान निरंतर संचालित किए जाते रहेंगे।

न्यूज गैलरी

घर में टीवी देख रहा युवक रहस्यमय ढंग से लापता-मोबाईल भी मिल रहा बंद, कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज

जबलपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के दीक्षितपुरा स्थित भण्डारी बाबा मंदिर के पास रहने वाला 24 वर्षीय युवक यश विश्वकर्मा उर्फ छोट 19 जून की दोपहर से रहस्यमय परिस्थितियों में लापता है। परिजनों के अनुसार घटना के समय यश घर में टीवी देख रहा था, जबकि परिवार के अन्य सदस्य विश्राम कर रहे थे। कुछ देर बाद जब परिजनों की नींद खुली तो यश घर में नहीं मिला। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल सका। यश की मां सविता विश्वकर्मा ने कोतवाली थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। लापता युवक का कद लगभग 5 फीट 7 इंच, रंग गोरा, चेहरा लंबा, शरीर दुबला-पतला तथा होठ पर लिल का निशान है। वह घर से निकलते समय क्रीम रंग की टी-शर्ट, काले रंग का लोअर और नीले रंग की बॉक्सर चपल पहने हुए था। उसका मोबाइल फोन भी लगातार बंद आ रहा है। परिजनों का कहना है कि उन्होंने रिश्तेदारों, मित्रों और आसपास के क्षेत्रों में उसकी तलाश की, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। बेटे के अचानक लापता होने से परिवार गहरे क्लेश और चिंता में है। जैसे-जैसे समय बीत रहा है, परिजनों की बेचैनी बढ़ती जा रही है। उन्होंने पुलिस से युवक की जल्द से जल्द तलाश करने की मांग की है। वहीं पुलिस का कहना है कि गुमशुदा युवक की तलाश के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है और संभावित स्थानों पर जानकारी जुटाई जा रही है।

रानी दुर्गावती मिनी मैराथन में रमनी पटेल और साहिल साहू रहे अत्वाल

जबलपुर। वीरगंगा रानी दुर्गावती के 463वें बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में सोमवार को संभागीय स्तर की रानी दुर्गावती मिनी मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नगर निगम और मित्र संघ वीरगंगा दुर्गावती स्मृति रक्षा अभियान समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में महिला और पुरुष वर्ग के 200 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

बलिदान दिवस पर भाजपा का बूथ स्तर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर द्वारा भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं भाजपा के प्रेरणास्रोत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर मंगलवार 23 जून को जिले के सभी 1041 बूथों पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ता और पदाधिकारी डॉ. मुखर्जी को पुष्पांजलि अर्पित कर उनके योगदान को स्मरण करेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष रवेश सोनकर ने बताया कि सुबह 9.30 बजे गुलौआ चौक स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल होंगे। इसके साथ ही महानगर के सभी बूथों पर भी श्रद्धांजलि समारं आयोजित की जाएगी। जिलाध्यक्ष ने पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर डॉ. मुखर्जी के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करने की अपील की है।

मानसून के अनुकूल बना मौसम

जबलपुर। मध्य प्रदेश में मानसून सक्रिय होने के अनुकूल माहौल बन गया है। छत्तिसगढ़ के बाद मध्य प्रदेश में मानसून की एंट्री होगी। मानसून अपने तय समय से एक घंटा लेट हो चुका है. 26 जून तक मध्य प्रदेश में मानसून प्रवेश करेगा। फिलहाल अगले 48 घंटों में तेज हवाएं चलने और बूंदाबांदी उम्मीद की जा रही है। सोमवार को जबलपुर में 2.5 मिमि उसके बाद घने बादल छाये रहे लेकिन रिमड्रिम बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के अनेक स्थानों पर गरज-चमक के साथ पानी की बौछारें पड़ सकती हैं। स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के प्रवक्ता के अनुसार मध्य प्रदेश में 26 जून को मानसून प्रवेश कर सकता है. उसके बाद ही तेज बारिश के आसार बनेंगे. पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 36.0 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री अधिक और न्यूनतम तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस सामान्य रिकार्ड किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 84 प्रतिशत और सायंकाल 72 प्रतिशत आकी गई। जबकि पिछले 24 घंटों में 2.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई। 1 जून से अब तक कुल वर्षा 41.6 मिलीमीटर दर्ज की जा चुकी है। दक्षिण-पश्चिमी हवाएं 6 किलो मीटर प्रति घण्टे की रफ्तार से चलतीं। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 28.8 और न्यूनतम तापमान 23.0 डिग्री दर्ज किया गया था। गत वर्ष आज के दिन 25.4 मिमी वर्षा हुई थी जबकि कुल वर्षा 56.5 मिमी दर्ज की गई थी। अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के कुछ स्थानों पर हलुपट्ट वर्षा हो सकती है।

शाही नाका मार्ग पर जर्जर भवन हटाय़ा

जबलपुर। मानसून के दौरान संभावित दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए नगर निगम ने गड्डा शाही नाका रोड पर स्थित एक जर्जर भवन को सुरक्षित तरीके से हटाने की कार्रवाई की है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिखार के निर्देश पर जोन क्रमांक-1 के अमले ने यह कार्रवाई करते हुए नागरिकों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को प्राथमिकता दी। संभागीय अधिकारी शैलेन्द्र कोरव ने बताया कि श्रीमती मंजू कोष्टा का यह भवन मुख्य मार्ग पर स्थित था और उसकी जर्जर स्थिति राहगीरों तथा आसपास के निवासियों के लिए खतरा बन गई थी।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री पटेल आज शहर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हुए शामिल

नवप्रदेश/ जबलपुर।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल आज सोमवार को रांझी क्षेत्र के कैलाशधाम पहुंचकर स्वयंभू शिवलिंग के विधि-विधान से दर्शन, पूजन और अभिषेक किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोटिया, जनपद पंचायत अध्यक्ष पनागर शैलेन्द्र पटेल, शिव यादव आदि मौजूद थे। इस दौरान मंत्री पटेल ने पवित्र परशुराम कुंड का निरीक्षण किया और आगामी संस्कार कावड़ यात्रा के संबंध में आयोजित बैठक में शामिल हुए। मंत्री पटेल आयुध निर्माणी खमरिया के एन टाइप परिसर भी पहुंचे, जहाँ



हुए उन्होंने पर्यावरण संरक्षण तथा संवर्धन में जनभागीदारी का आह्वान किया और देश की सीमाओं की सुरक्षा के साथ-साथ प्रकृति व भविष्य को सुरक्षित करने के इस हरित संकल्प की सराहना की।

एक ही खेत में खेती, पशुपालन और मत्स्य पालन से दोगुनी होगी किसानों की आय

एकीकृत कृषि प्रणाली पर जबलपुर में बनी लघु फिल्म का कृषि उत्पादन आयुक्त ने किया विमोचन

नवप्रदेश/जबलपुर।

जबलपुर के युवा कृषक तमस्य दास के एकीकृत कृषि प्रणाली के मॉडल पर बनाई गई लघु फिल्म अब प्रदेश भर में किसानों को दिखाई जायेगी। प्रदेश के कृषि उत्पादन आयुक्त के सी गुप्ता ने गत दिवस अपने जबलपुर प्रवास के दौरान इस लघु फिल्म का विमोचन किया। वहीं, रबी की समीक्षा और खरीफ की तैयारियों पर आयोजित की जा रही संभाग स्तरीय बैठकों में सभी जिलों के कृषि अधिकारियों के समक्ष इस फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। ज्ञात हो कि इलेक्ट्रिकल इंजिनियरिंग के छत्र तमस्य दास ने जबलपुर जिले के पंचायत विकासखंड के ग्राम लम्हेटा में करीब साढ़े तीन एकड़ की भूमि पर एकीकृत कृषि प्रणाली को अपनाकर एक ही स्थान पर कृषि से जुड़ी कई गतिविधियों को जोड़ने का सफल उदाहरण प्रस्तुत किया है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के जिला कार्यालय जबलपुर द्वारा बनाई गई यह लघु फिल्म किसानों को पारंपरिक खेती से बाहर निकालकर



एक ही स्थान पर कई तरह की कृषि गतिविधियों को जोड़ने के वैज्ञानिक तौर-तरीकों को बेहद सरल भाषा में समझाती है। **क्या है एकीकृत मॉडल और इसकी खासियत:** एकीकृत कृषि प्रणाली एक ऐसी वैज्ञानिक पद्धति है जहाँ खेती के साथ-साथ पशुपालन, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन और बागवानी (फल-सब्जी) को एक ही जमीन पर इस तरह संयोजित किया जाता है कि वे एक-दूसरे के पूरक बन जाएं। इस पूरे मॉडल का मूल मंत्र है एक इकाई का अवशेष, दूसरी इकाई के

लिए संसाधन। यानी खेत या पशुओं से निकलने वाला कचरा बर्बाद नहीं होता, बल्कि वह दूसरी गतिविधि में मुख्य इनपुट (सामग्री) के रूप में काम आता है। पशुओं के गोबर और मूत्र से बायोगैस तथा उत्तम दर्जे की जैविक खाद बनाई जाती है, जिसका उपयोग सीधे खेतों में होता है। दूसरी ओर, फसलों के बचे हुए अवशेष (पशु चारा) जानवरों के काम आते हैं। जब खाद, कीटनाशक और चारा खेत में ही तैयार हो जाता है, तो बाजार पर किसान की निर्भरता न्यूनतम हो जाती है। इससे खेती की लागत में उल्लेखनीय कमी आती है।

गुर्जर नाला पुल निर्माण में अनियमितताओं का आरोप, जांच की मांग तेज

नव प्रदेश अनूपपुर/जैतहरी रोड बलिया से आमाडांड मार्ग पर स्थित गुर्जर नाला पर लगभग 4 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित पुल के निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं। इस संबंध में सामाजिक कार्यकर्ता बी. सिंह राठौर द्वारा कलेक्टर को शिकायत सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध सत कार्रवाई की मांग की गई है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पुल निर्माण के दौरान निर्धारित प्रावधानों एवं तकनीकी मानकों का पालन नहीं किया गया। साथ ही निर्माण कार्य में गुणवत्ता से समझौता करते हुए बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितता और आबंटित राशि के दुरुपयोग की आशंका व्यक्त की गई है। शिकायतकर्ता का कहना है कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो विभागीय स्तर पर हुए कथित भ्रष्टाचार और राशि के बंदरबांट की वास्तविकता सामने आ सकती है। बी. सिंह राठौर ने प्रशासन से मांग की है कि निर्माण कार्य की तकनीकी एवं वित्तीय जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी से कराई जाए तथा जांच में दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और



संबंधित ठेकेदारों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उनका कहना है कि सार्वजनिक धन से किए गए विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

शिकायतकर्ता ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन द्वारा समय रहते जांच और कार्रवाई के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए तो संगठन के बैनर तले निर्माण स्थल पर जनआंदोलन शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता को विकास कार्यों में पारदर्शिता चाहिए और भ्रष्टाचार के आरोपों की निष्पक्ष जांच होना आवश्यक है। अब क्षेत्रवासियों की निगाहें प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई हैं। लोगों को उम्मीद है कि शिकायत की गंभीरता को देखते हुए संबंधित विभाग से रिपोर्ट तलब कर मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी, ताकि सच सामने आ सके और दोषियों पर आवश्यक कार्रवाई हो सके।

वर्ष भर नियमित आमदनी

पारंपरिक खेती में किसान को सिर्फ फसल कटाई के समय (साल में दो या तीन बार) ही एकमुश्त पैसा मिलता है। लेकिन इस प्रणाली से दूध, अंडे, फल और सब्जियों के जरिये किसान को दैनिक या साप्ताहिक आय मिलती रहती है। बेहतर जोखिम प्रबंधन यदि मौसम की मार या बीमारी के कारण कोई एक फसल खराब भी हो जाए, तो पशुपालन, मुर्गी पालन या मत्स्य पालन से किसान की आर्थिक स्थिति सुरक्षित रहती है और उसे भारी नुकसान नहीं झेलना पड़ता। पशु स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण- रासायनिक खादों की जगह जैविक कचरे और गोबर की खाद का उपयोग होने से भूमि की उर्वरा शक्ति लंबे समय तक बनी रहती है। लघु फिल्म के विमोचन के अवसर पर किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के संयुक्त संचालक जबलपुर के एस नेताम, उप संचालक कृषि उमेश कटहरा, अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ अर्जुन त्रिपाठी, कृषि विस्तार अधिकारी हरीश बड़ एवं युवा कृषक तमस्य दास उपस्थित रहे।

लापरवाही पर उठे सवाल, जनप्रतिनिधियों और पंचायत की कार्यशैली पर लोगों में आक्रोश

मुय बाजार में जानलेवा गड्ढे से बढ़ा खतरा, बच्ची गिरने के बाद भी नहीं जागा प्रशासन

नव प्रदेश कोतमा।

नगर से 12 किलोमीटर दूर निगवानी के मुख्य बाजार क्षेत्र में लंबे समय से बना हुआ एक खतरनाक गड्ढा आम लोगों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन गया है। बाजार में प्रतिदिन सैकड़ों लोगों की आवाजाही रहती है, इसके बावजूद गड्ढे की मरम्मत नहीं कराए जाने से स्थानीय नागरिकों में भारी नाराजगी व्याप्त है। हाल ही में एक छोटी बच्ची इस गड्ढे में गिर गई, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। हालांकि गंभीरता रही कि बच्ची को गंभीर चोट नहीं आई और एक बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस गंभीर समस्या की शिकायत कई बार संबंधित पंचायत एवं जनप्रतिनिधियों तक पहुंचाई गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। लोगों का कहना है कि जब इस घटना के संबंध में ग्राम पंचायत के सरपंच को अवगत कराया गया तो समस्या के समाधान की गंभीर पहल करने के बजाय कथित रूप से असवेदनशील रवैया अपनाया गया। यदि यह आरोप सही है, तो यह जनप्रतिनिधियों की

जवाबदेही और संवेदनशीलता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। बाजार क्षेत्र के व्यापारियों और रहवासियों का कहना है कि यह गड्ढा लंबे समय से दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहा है। विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह स्थान अत्यंत जोखिमपूर्ण बन चुका है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई तो भविष्य में कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग और पंचायत प्रशासन की होगी। **कड़ी प्रतिक्रिया:** स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन और पंचायत की कार्यप्रणाली पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जब तक कोई बड़ा हादसा नहीं हो जाता, तब तक जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि अवसर कार्रवाई करने से बचते रहते हैं। लोगों ने सवाल उठाया कि आखिर एक बच्ची के गड्ढे में गिरने जैसी घटना के बाद भी तत्काल मरम्मत कार्य क्यों शुरू नहीं किया गया। यह लापरवाही किसी की जान पर भारी पड़ सकती है।

नागरिकों ने जिला प्रशासन, जनपद पंचायत और संबंधित विभाग से मांग की है कि मामले की तत्काल जांच कर बाजार क्षेत्र में बने इस खतरनाक गड्ढे की मरम्मत कराई जाए तथा यदि शिकायतों की अनदेखी की गई है तो जिम्मेदार अधिकारियों एवं संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जनता की मांग

बाजार क्षेत्र के खतरनाक गड्ढे की तत्काल मरम्मत। सुरक्षा के लिए बैरिकेडिंग एवं चेतावनी बोर्ड लगाए जाए। शिकायतों की अनदेखी करने वालों की जवाबदेही तय हो। भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए नियमित निरीक्षण कराया जाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन को किसी बड़े हादसे का इंतजार करने के बजाय तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि बाजार क्षेत्र में आने-जाने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

